काल भैरव मन्त्र

श्री काल भैरव का नाम सुनते ही बहुत से लोग भयभीत हो जाते है और कहते है कि ये उग्र देवता है । अत: इनकी साधना वाम मार्ग से होती है इसलिए यह हमारे लिए उपयोगी नहीं है। लेकिन यह मात्र उनका भ्रम है । प्रत्येक देवता सात्विक, राजस और तामस स्वरूप वाले होते है, किंतु ये स्वरूप उनके द्वारा भक्त के कार्यो की सिद्धि के लिए ही धरण किये जाते है । श्री कालभैरव इतने कृपालु एवं भक्तवत्सल है कि सामान्य स्मरण एवं स्तुति से ही प्रसन्न होकर भक्त के संकटों का तत्काल निवारण कर देते है। तंत्राचार्यों का मानना है कि वेदों में जिस परम पुरुष का चित्रण रुद्र में हुआ, वह तंत्र शास्त्र के ग्रंथों में उस स्वरूप का वर्णन 'भैरव' के नाम से किया गया, जिसके भय से सूर्य एवं अग्नि तपते हैं। इंद्र-वायु और मृत्यु देवता अपने-अपने कामों में तत्पर हैं, वे परम शक्तिमान 'भैरव' ही हैं। भगवान शंकर के अवतारों में भैरव का अपना एक विशिष्ट महत्व है । हम यंहा आपको काल भैरव मन्त्र बताने जा रहे हैं जिन्हें आप कालभैरव जयंती वाले दिन जाप करके बहुत आसानी से काल भैरव को खुश करके अपनी मनोकामना पूरी कर सकोगें !

काल भैरव बीज मंत्र

"ॐ ह्रीं बटुकाय आपदुद्धारणाय कुरू कुरू बटुकाय ह्रीं"।

काल भैरव का मूल मंत्र

"ॐ ह्रीं बटुकाय आपदुद्धारणाय कुरू कुरू बटुकाय ह्रीं"।

मनोकामना पूरक काल भैरव मंत्र

"ॐ नमो भैरवाय स्वाहा"

पाप विनोचक काल भैरव मंत्र

"ॐ ह्रीं बटुक ! शापम विमोचय विमोचय ह्रीं कलीं" !!

मंगल दोष दूर करने के लिए भैरवजी का सिद्ध मंत्र

“धर्मध्वजं शङ्कररूपमेकं शरण्यमित्यं भुवनेषु सिद्धम् ! द्विजेन्द्र पूज्यं विमलं त्रिनेत्रं श्री भैरवं तं शरणं प्रपद्ये” !!

शत्रु नाशक काल भैरव मंत्र

“ॐ भं भैरवाय आप्द्दुदारानाय शत्रु नाशं कुरु”

(नारियल काले वस्त्र में लपेट कर भैरव जी को अर्पित करें, गुगुल की धूनी जलाएं रुद्राक्ष की माला से 5 माला का मंत्र जप करें, पश्चिम कि और मुख रखें)

जादू टोना नाशक काल भैरव मंत्र

“ॐ भं भैरवाय आप्द्दुदारानाय तंत्र बाधाम नाशय नाशय”

(आटे के तीन दिये जलाएं, कपूर से आरती करें, रुद्राक्ष की माला से 7 माला का मंत्र जप करें, दक्षिण की और मुख रखे)

प्रतियोगिता इंटरवियु में सफलता का काल भैरव मंत्र

“ॐ भं भैरवाय आप्द्दुदारानाय साफल्यं देहि देहि स्वाहा:”

(बेसन का हलवा प्रसाद रूप में बना कर चढ़ाएं, एक अखंड दीपक जला कर रखें रुद्राक्ष की मलका से 8 माला का मंत्र जप करें, पूर्व की और मुख रखें)

बच्चों की रक्षा का काल भैरव मंत्र

“ॐ भं भैरवाय आप्द्दुदारानाय कुमारं रक्ष रक्ष”

(मीठी रोटी का भोग लगायें, दो नारियल भैरव जी को अर्पित करें, रुद्राक्ष की माला से 6 माला का मंत्र जप करें, पश्चिम की ओर मुख रखें)

लम्बी आयु का काल भैरव मंत्र

“ॐ भं भैरवाय आप्द्दुदारानाय रुरु स्वरूपाय स्वाहा:”

(काले कपडे का दान करें, गरीबों को भोजन खिलाये, कुतों को रोटिया खिलाएं रुद्राक्ष की माला से 5 माला का मंत्र जप करें, पूर्व की ओर मुख रखें)

बल प्रदाता काल भैरव मंत्र

“ॐ भं भैरवाय आप्द्दुदारानाय शौर्यं प्रयच्छ”

(काले रंग के कुते को पालने से भैरव प्रसन्न होते हैं, कुमकुम मिला लाल जल बहिरव को अर्पित करना चाहिए, काले कम्बल के आसन पर इस मंत्र को जपें, रुद्राक्ष की माला से 7 माला मंत्र जप करें, उत्तर की ओर मुख रखें)

सुरक्षा कवच का काल भैरव मंत्र

“ॐ भं भैरवाय आप्द्दुदारानाय बज्र कवचाय हुम”

(भैरव जी को पञ्च मेवा अर्पित करें, कन्याओं को दक्षिणा दें, रुद्राक्ष की माला से 5 माला का मंत्र जप करें, पूर्व की ओर मुख रखें)

अन्य भैरव मंत्र

“ॐ भयहरणं च भैरव:”

“ॐ हं षं नं गं कं सं खं महाकाल भैरवाय नमः”

“ॐ भ्रां कालभैरवाय फट्”

“ऊं भं भैरवाय अनिष्ट निवारणाय स्वाहा”

“ॐ कर कलित कपाल कुण्डली दण्ड पाणी तरुण तिमिर व्याल यज्ञोपवीती कर्त्तु समया सपर्या विघ्नविच्छेद हेतवे जयती बटुक नाथ सिद्धि साधकानाम ॐ श्री बम् बटुक भैरवाय नमः”

“ॐ क्रीं क्रीं कालभैरवाय फट”

“ॐ हं षं नं गं कं सं खं महाकाल भैरवाय नमः”

“ॐ काल भैरवाय नमः”

“ॐ श्री भैरवाय नमः”

“ॐ भ्रां कालभैरवाय फट्”